

SECTION 'A'

प्रश्न – 1 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

क – विद्यार्थी जीवन मानव जीवन का आधार है जिसमें अनुशासन का बहुत महत्त्व है। वर्तमान विद्यार्थियों की अनुशासनहीनता, उसके कारण एवं दुष्परिणामों की चर्चा कीजिए।

ख – परोपकार की भावना लोक-कल्याण से पूर्ण होती है। हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए। विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए।

ग – आज के युग में समाचार पत्र हमारी दैनिक आवश्यकताओं में से एक है। समाचार पत्र की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए एक आदर्श समाचार पत्र में किन-किन बातों का समावेश होना चाहिए।

घ – 'अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गईं खेत' – इस उक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।

प्रश्न – 2 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

क – आपके क्षेत्र में सड़कों पर बहुत पानी जमा हो जाता है क्योंकि अधिकांश सड़कें टूटी हुई हैं। जगह जगह स्पीड ब्रेकर यातायात में सहायक न होकर बाधक बन गए हैं। परिस्थिति की पूर्ण जानकारी देते हुए नगर निगम के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

ख – आपका छोटा भाई छात्रावास में रहकर खुश नहीं है, क्योंकि वह अभी तक कोई दोस्त नहीं बना पाया है। अपने भाई को पत्र लिखकर कुछ सलाह दीजिए जिससे वह कुछ मित्र बना सके।

प्रश्न – 3 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। (10)

एक बार स्वामी रामतीर्थ जापान गए थे। वे वहाँ पर रेलगाड़ी से यात्रा कर रहे थे। यात्रा करते-करते वे सभी किसी नगर में जाते तो कभी किसी अन्य नगर में। उन दिनों वे अनाज का उपभोग नहीं करते थे। ऐसे में केवल फल खाते थे। एक दिन की बात है। स्वामी रामतीर्थ जी अपने शिष्यों के साथ रेलगाड़ी से यात्रा कर रहे थे। मार्ग में उन्हें भूख लगी। अभी गंतव्य स्थान बहुत दूर था। उन्होंने देखा कि एक स्टेशन पर गाड़ी धीमी हो रही है। उन्होंने सोचा कि अबकी बार गाड़ी रुकेगी, तो फल खरीदूँगा। गाड़ी सचमुच रुक गई। वे इधर-उधर देखने लगे। सभी प्रकार की वस्तुएँ तथा भोज्य पदार्थ उपलब्ध थे, परन्तु कहीं पर भी फल या फल विक्रेता दिखाई नहीं दे रहा था। थक-हारकर उन्होंने अपने एक शिष्य से कहा कि वह थोड़ा पीछे जाकर फलों की खोज करे और यदि उपलब्ध हो तो कुछ फल खरीदकर ले आए, परन्तु शिष्य लौट आया और वह भी खाली हाथ।

स्वामी जी आगामी स्टेशन पर फल खरीदने की बात सोचकर शिष्य सहित पुनः गाड़ी में सवार हो गए। सात स्टेशनों पर गाड़ी रुकी और सभी पर फलों की खोज निष्फल हुई। तब स्वामी जी ने अपने शिष्य से कहा— "लगता है कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते। फलों की दृष्टि से यह एक गरीब देश है।" स्वामी जी के मुख से निकले ये वाक्य प्लेटफॉर्म पर खड़े एक युवक ने सुन लिए। वह अपनी पत्नी को गाड़ी में सवार कराने के लिए आया था। वह बिना बताए दौड़ा-दौड़ा गया और सबसे बढ़िया फलों की एक टोकरी भरवाकर ले आया। टोकरी स्वामी जी के आगे रखकर बोला— "लीजिए! आपको ताजे फलों की आवश्यकता थी।" स्वामी जी ने युवक के मुँह की ओर देखा। वह एक जापानी युवक था। स्वामी जी ने सोचा कि यह कोई फल विक्रेता है। उन्होंने फल ले लिए और जब से रुपए निकालकर पूछा — "कितना दाम है इनका?" जापानी

युवक बोला – “इनका कोई दाम नहीं, ये आपके लिए मेरी ओर से भेंट स्वरूप है। कृपया स्वीकार कीजिए।” स्वामी जी ने पुनः दाम चुकाने की अपनी इच्छा जताए हुए कहा— “ दाम तो आपको बताने ही होंगे।”

इस पर युवक ने कहा – “ यदि आप इनका दाम चुकाना ही चाहते हैं, तो कृपया इतना कीजिए कि अपने देश लौटकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते बस, इनका यही दाम होगा।” यह उत्तर सुनकर स्वामी जी उस जापानी युवक पर बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने उसकी तथा जापान की प्रशंसा में कहा –“जिस देश का प्रत्येक नागरिक अपने देश के सम्मान का इतना ध्यान रखता है, वह देश वास्तव में बहुत महान है।”

- क – स्वामी रामतीर्थ कहाँ गए थे और वहाँ उनका आहार क्या था ?
ख – स्वामी जी ने जापान के विषय में क्या टिप्पणी की और क्यों?
ग – युवक किसे छोड़ने स्टेशन आया था और उसने स्वामी जी को क्या दिया ?
घ – युवक ने स्वामी जी से फलों का दाम किस प्रकार चुकाने के लिए कहा ?
ङ – उपर्युक्त गद्यांश से हमें क्या संदेश मिलता है ?

प्रश्न – 4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(8)

क – ‘आरोह’ शब्द का सही विलोम बताइए।

- (a) आवरोह (b) अबरोह (c) अवरोह (d) अवारोह

ख – ‘जंगल’ का उचित पर्यायवाची शब्द बताइए।

- (a) मही-अचला (b) प्रसून-मंजरी (c) वन-कानन (d) गिरि -नग

ग – ‘अतिथि’ की भाववाचक संज्ञा बताइए।

- (a) आतिथेय (b) अत्थियेय (c) अतिथ्य (d) आतिथ्य

घ – ‘धर्म’ शब्द का सही विशेषण बताइए।

- (a) धारमिक (b) धार्मिक (c) धर्मपन (d) धार्मीक

ङ.- ‘साशन’ का शुद्ध रूप बताइए।

- (a) शाशन (b) शासन (c) सासन (d) शाषन

च – ‘आँखों में धूल झोंकना’ मुहावरे का अर्थ बताइए।

- (a) धोखा देना (b) डराना (c) आदर न करना (d) काम बिगाड़ देना

छ – निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए।

1. मेरे दादा जी को ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज नहीं है।

(रेखांकित वाक्यांश के स्थान पर एक शब्द वाले सही वाक्य का प्रयोग करें)

- (a) मेरे दादा जी असाध्य बीमारी से ग्रस्त हैं।
(b) मेरे दादा जी अप्रत्याशित बीमारी से ग्रस्त हैं।
(c) मेरे दादा जी अदम्य बीमारी से ग्रस्त हैं।
(d) मेरे दादा जी दुर्लभ बीमारी से ग्रस्त हैं।

2. अध्यापक बच्चों को पढ़ाएगा। (वर्तमान काल में बदलिए।)

- (a) बच्चों को अध्यापक पढ़ाया।
(b) अध्यापक बच्चों को पढ़ाया था।
(c) अध्यापक बच्चों को पढ़ाता है।
(d) अध्यापक बच्चों को पढ़ा रहा था।

SECTION – 'B'

नोट – निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक पुस्तक में से एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

संक्षिप्त कहानियाँ

- प्रश्न – 5 "मगर इनकी बात मानेगा कौन ? ये तो वैसे ही छल-कपट के लिए बदनाम है। (10)
- क – वक्ता और श्रोता कौन है?
- ख – श्रोता ने वक्ता की बात सुनकर क्या कहा?
- ग – बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप किस प्रकार बदला?
- घ – बूढ़े सियार ने भेड़िए से किन तीन बातों का ध्यान रखने को कहा?
- प्रश्न – 6 "क्या तुम्हारे पास यही दो कमरे हैं ?" (10)
- क – इस वाक्य के वक्ता और श्रोता कौन हैं ?
- ख – मित्र ने लेखक को मकानों के सम्बन्ध में अपनी किस परेशानी का उल्लेख किया ?
- ग – शहर पहले की तुलना में कई गुना फैल चुका है। इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।
- घ – लेखक के मित्र ने जनसंख्या के विषय में क्या कहा ?
- प्रश्न – 7 "उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता था कि यह साजिश है। मैं नौकरी (10)
- नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं?"
- क – रसीला कौन था ? उसका परिचय दीजिए।
- ख – रसीला किसके यहाँ नौकरी करता था? उसको कितने रूप वेतन मिलता था?
- ग – हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए।
- घ – इस कहानी में लेखक ने कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है ?

एकांकी संचय

- प्रश्न – 8 "अब भी आँखें नहीं खुलीं? जो व्यवहार अपनी बेटी के लिए तुम दूसरों से चाहते हो वही (10)
- दूसरे की बेटी को भी दो।"
- क – उपर्युक्त वाक्य के वक्ता और श्रोता कौन है ? वक्ता का परिचय दीजिए।
- ख – "अब भी आँखें नहीं खुलीं ?" कहने से वक्ता का क्या अभिप्राय है? पाठ के संदर्भ में समझाइए।
- ग – एकांकी के अंत में श्रोता क्या फैसला लेता है और क्यों ? समझाइए।
- घ – इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?
- प्रश्न – 9 "आप मुझे मेरे मायके भेज दीजिए। मुझे ऐसा लगता है जैसे मैं अपरिचितों में आ गई हूँ।" (10)
- क – उपर्युक्त कथन किसने, किससे और किस संदर्भ में कहा है ?
- ख – परेश कौन है? वक्ता का उससे क्या संबंध है ?
- ग – उसे ऐसा क्यों लग रहा है कि वह अपरिचितों में आ गई है ?
- घ – वक्ता की बात सुनकर श्रोता ने क्या उत्तर दिया ?
- प्रश्न – 10 "मेरी मृत्यु का पर्व मनाने आए हो न ! मेरी आहों का आलाप सुनने आए हो ! अरे निर्दय! (10)
- तुम्हें किसने धर्मराज की संज्ञा दी ?"
- क – वक्ता और श्रोता कौन हैं?
- ख – श्रोता ने अपने आने का क्या कारण बताया?
- ग – वक्ता ने श्रोता की उस बात के उत्तर में क्या कहा?
- घ – दुर्योधन के अनुसार राज्य पर युधिष्ठिर का हक क्यों नहीं था?